



Sahil

04 Feb 2003

11:40 PM

Kurukshetra

Model: web-freekundliweb

Order No: 121140702

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 04/02/2003  
दिन \_\_\_\_\_: मंगलवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 23:40:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 41:10:53 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Kurukshetra  
राज्य \_\_\_\_\_: Haryana  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 29:59:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 76:51:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:22:36 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 23:17:24 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: -00:13:54 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 08:15:23 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 07:11:38 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 18:01:40 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 10:50:01 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: उत्तरायण  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: दक्षिण  
ऋतु \_\_\_\_\_: शिशिर  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 21:36:51 मकर  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 05:25:28 तुला

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: तुला - शुक्र  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: मीन - गुरु  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: पू०भाद्रपद - 4  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: गुरु  
योग \_\_\_\_\_: शिव  
करण \_\_\_\_\_: वणिज  
गण \_\_\_\_\_: मनुष्य  
योनि \_\_\_\_\_: सिंह  
नाड़ी \_\_\_\_\_: आद्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: विप्र  
वश्य \_\_\_\_\_: जलचर  
वर्ग \_\_\_\_\_: सर्प  
युँजा \_\_\_\_\_: अन्त्य  
हंसक \_\_\_\_\_: जल  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: दी-दीपांकर  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: स्वर्ण - लौह  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: कुम्भ

#### PANDIT VIJAY AACHARYA

Shree khatu dham vikash nagar  
Ladwa Kurukshetra haryana  
8529795839  
vijayrshikesh91@gmail.com



## विंशोत्तरी दशा

### भोग्य दशा काल : गुरु 3 वर्ष 8 मास 27 दिन

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
04/02/2003	02/11/2006	02/11/2025	02/11/2042	02/11/2049
02/11/2006	02/11/2025	02/11/2042	02/11/2049	02/11/2069
00/00/0000	शनि 05/11/2009	बुध 31/03/2028	केतु 31/03/2043	शुक्र 04/03/2053
00/00/0000	बुध 15/07/2012	केतु 28/03/2029	शुक्र 31/05/2044	सूर्य 04/03/2054
00/00/0000	केतु 24/08/2013	शुक्र 27/01/2032	सूर्य 05/10/2044	चंद्र 03/11/2055
00/00/0000	शुक्र 24/10/2016	सूर्य 02/12/2032	चंद्र 06/05/2045	मंगल 02/01/2057
00/00/0000	सूर्य 06/10/2017	चंद्र 04/05/2034	मंगल 03/10/2045	राहु 02/01/2060
04/02/2003	चंद्र 07/05/2019	मंगल 01/05/2035	राहु 21/10/2046	गुरु 02/09/2062
चंद्र 04/07/2003	मंगल 15/06/2020	राहु 17/11/2037	गुरु 27/09/2047	शनि 02/11/2065
मंगल 09/06/2004	राहु 22/04/2023	गुरु 23/02/2040	शनि 05/11/2048	बुध 02/09/2068
राहु 02/11/2006	गुरु 02/11/2025	शनि 02/11/2042	बुध 02/11/2049	केतु 02/11/2069

सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष
02/11/2069	03/11/2075	02/11/2085	02/11/2092	03/11/2110
03/11/2075	02/11/2085	02/11/2092	03/11/2110	00/00/0000
सूर्य 20/02/2070	चंद्र 02/09/2076	मंगल 31/03/2086	राहु 16/07/2095	गुरु 22/12/2112
चंद्र 21/08/2070	मंगल 03/04/2077	राहु 19/04/2087	गुरु 09/12/2097	शनि 05/07/2115
मंगल 27/12/2070	राहु 03/10/2078	गुरु 25/03/2088	शनि 16/10/2100	बुध 10/10/2117
राहु 21/11/2071	गुरु 02/02/2080	शनि 03/05/2089	बुध 05/05/2103	केतु 16/09/2118
गुरु 08/09/2072	शनि 02/09/2081	बुध 01/05/2090	केतु 22/05/2104	शुक्र 17/05/2121
शनि 21/08/2073	बुध 02/02/2083	केतु 27/09/2090	शुक्र 23/05/2107	सूर्य 05/03/2122
बुध 27/06/2074	केतु 03/09/2083	शुक्र 27/11/2091	सूर्य 16/04/2108	चंद्र 05/02/2123
केतु 02/11/2074	शुक्र 03/05/2085	सूर्य 03/04/2092	चंद्र 16/10/2109	00/00/0000
शुक्र 03/11/2075	सूर्य 02/11/2085	चंद्र 02/11/2092	मंगल 03/11/2110	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 3 वर्ष 9 मा 8 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

**PANDIT VIJAY AACHARYA**

Shree khatu dham vikash nagar  
Ladwa Kurukshetra haryana  
8529795839  
vijayrishikesh91@gmail.com

## लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृत्ति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांटेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बातें करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृत्ति के हो जाते हैं। आप इस प्रकार की प्रवृत्ति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृत्ति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रुचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।